हिन्दी विभाग

समाज के प्रत्येक व्यक्ति, वर्ग तथा समूह तक, प्रत्येक दलित, शोषित, पीड़ित तक शिक्षा पहुँच सके, यही डॉ. बाबासाहब आंबेडकर का सपना था। इसी सपने को पूर्ण करने हेतु डॉ. मधुकरराव वासनिकजी ने 1968 में पी.डब्ल्यू. एस. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय की स्थापना की। इस महाविद्यालय ने छोटे से खपरैलनुमा भवन से आरंभ कर आज एक विशाल शैक्षणिक भवन का आकार ले लिया है। आज महाविद्यालय का अपना एक प्रशस्त प्रांगण है। इस प्रांगण में चारों ओर लगे वृक्षों के कारण वातावरण बेहद सुंदर और हराभरा है। इस महाविद्यालय के समृद्ध विभागों में एक विभाग हिन्दी विभाग भी है। जहॉं स्नातक, स्नातकोत्तर तथा रिसर्च सेंटर से जुड़ें छात्रों को अध्ययन–अध्यापन के साथ ही उनके विषय से जुड़ी समस्याओं का निदान किया जाता है। पाठ्यक्रम से जुड़े अध्ययन अध्यापन के अलावा अन्य विषयों पर भी चर्चासत्र का आयोजन किया जाता है।

विभाग द्वारा छात्रों को इस स्पर्धात्मक युग हेतु तैयार कर उनका सर्वांगीण विकास करने का प्रयास किया जाता है। स्नातकोत्तर छात्रों को नेट/सेट तथा विविध स्पर्धात्मक परीक्षा की तैयारी कैसे की जाए उस संबंध में मार्गदर्शन किया जाता है। वर्तमान में विभाग के कई छात्र विविध क्षेत्रों में बड़े–बड़े पदों पर विराजमान है। यह इस महाविद्यालय तथा विभाग हेतु बड़े गर्व की बात है।

हिन्दी विभाग छात्रों के कलात्मक गुणों को बाहर निकालने तथा निखारने हेतु मंच प्रदान करता है। प्रत्येक छात्र की योग्यता उसके कलात्मक गुणों के आधार पर चाहे वह लेखनकला हो या नाटक–अभिनय, सभी क्षेत्रों में छात्रों के भीतर रूचि उत्पन्न कर उनके सुप्त गुणों को बाहर निकालकर, उनके डर को समाप्त कर, उन्हें निर्भय बनाया जाता है। छात्रों के भीतर आत्मविश्वास जगाता है। यही आत्मविश्वास इस स्पर्धात्मक युग हेतु बेहद महत्वपूर्ण है जो छात्रों के भविष्य सॅवारने में सहायक है।

विभाग विविध चर्चासत्र, बौद्धिक परिसंवाद, काव्य गोष्ठी, शोध सत्संग, सृजन संवाद तथा राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का भी आयोजन करता है। विभिन्न क्षेत्रों के विविध विषयों के विशेषज्ञों को आमंत्रित कर छात्रों के ज्ञान को समृद्ध किया जाता है। छात्र उनसे प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा को शांत करते हैं। चर्चा सत्रों द्वारा छात्रों से संबंधित विषयों पर चिंतन मनन किया जाता है। परिसंवाद तथा संगोष्ठी के माध्यम से विविध शोध विषयों पर विचार मंथन किया जाता है। शोध सत्संग के माध्यम

से शोध की नई दिशा तय की जाती है। सृजन संवाद के माध्यम से उन्हें लेखन हेतु प्रेरित किया जाता हैं।

विभाग के पास सन 2017 से रा.तु.म. नागपुर विद्यापीठ द्वारा मान्यता प्राप्त अनुसंधान केंद्र हैं, जहॉ शोधार्थी अपना शोधकार्य करते है। शोधकार्य में आनेवाली समस्याओं का निदान अपने शोधमार्गदर्शक के मार्गदर्शन में पूर्ण करते है। अपने शोध कार्य को सही दिशा में ले जाते है।

विभागीय सुविधाऍः हिन्दी विभाग का स्वयं का एक छोटा सा समृद्ध ग्रंथालय है जहॉ विविध विषयों की पुस्तकें मौजूद है। छात्र तथा शोधार्थी इन पुस्तकों अध्ययन कर, अपने विषय से संबंधित सामग्री एकत्रित करते हैं। छात्र विभाग के अध्ययन कक्ष में बैठकर अपने शोधकार्य को पूर्ण करते हैं। इस ग्रंथालय में प्रत्येक विषय के अनुसार पुस्तकें रखी गई है जिससे कोई भी पुस्तक आसानी से ढूॅढकर प्राप्त की जा सकती है। अतः छात्रों को पुस्तकों के लिए कही ओर जाने की आवश्यकता नहीं होती, वे अपना अध्ययन तथा शोधकार्य तेजी से पूर्ण कर सकते हैं। स्वानुशासित अध्ययन के माध्यम से उन्हें अध्ययन हेतु प्रेरित करता है। विभाग हिन्दी भाषा के माध्यम से विद्यार्थियों की सोच को परिष्कृत कर उन्हें शैक्षिक पथ की ओर ले जाकर, उनका बौद्धिक तथा सर्वांगीण विकास करने हेतु सदैव प्रयासरत रहता है। उनका एक ही ध्येय है–

‘हिन्दी–

जन की भाषा,

मन की भाषा,

जीवन की भाषा’

हिन्दी विभाग के अंतर्गत अध्यापित विषयः

स्नातक – B.A. / B.Com. – अनिवार्य हिन्दी (1968 से)

B.A. – हिन्दी साहित्य (1968 से)

B.Sc. – अनिवार्य हिन्दी (2021 से स्ववित्तपोषित)

स्नातकोत्तर (M.A.) – हिन्दी विषय (2012 से स्ववित्तपोषित)

विभागीय प्राध्यापक:

डॉ. मिथिलेश अवस्थी
(सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष)
एम.ए. (हिन्दी, समाजशास्त्र), पी–एच.डी., एम.फिल.

डॉ. सुमेध पी. नागदेवे

(विभागाध्यक्ष)

एम.ए. (हिन्दी), नेट, पी–एच.डी., बी.एड.,

प्रा. प्रियंका मेश्राम

(अंशकालीन प्राध्यापक)

एम.ए. (हिन्दी), नेट

डॉ. तरन्नुम खान

(अंशकालीन प्राध्यापक)

एम.ए. (हिन्दी), पी–एच.डी

प्राविण्य प्राप्त विद्यार्थी

कु. प्रणाली हिरणवार CGPA 7.38 - एम.ए. हिन्दी (2018)

श्री. ऋषभ जैन – CGPA 7.38 - एम.ए. हिन्दी (2020)

कु. स्वाति सरेयाम – CGPA 7.69 – एम.ए. हिन्दी (2020)

कु. रश्मि तिड़के – CGPA 9.31 – एम.ए. हिन्दी (2022)

स्टार एल्युमिनी:

कु. प्रणाली हिरणवार

एम.ए. हिन्दी (2018)

(शिक्षिका) एन.एन. एम.सी. शाला, नवी मुंबई, ठाने

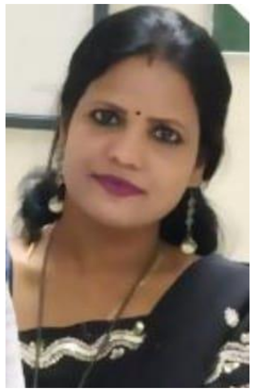

श्रीमती. निलिमा कनौजिया
एम.ए. हिन्दी (2020)(शिक्षिका)
भवन्स भगवानदास पुरोहित विद्यामंदिर, कोराडी

कु. गुड्डी परवीन निसार अहमद
शोधार्थी (2022),
नेट उत्तीर्ण 2021),
पेट उत्तीर्ण (2021)
(प्राध्यापक) एस. यु. सी. टी. डब्ल्यु. कॉलेज, नागपुर

श्री. मोईन हसन सिद्दीकी
एम.ए. हिन्दी (2019)

(मॅनेजर) ए. बी. यु. लॉरी सर्विस ट्रांसपोर्ट

विभागीय सुविधाएँ:–

- विभागीय ग्रंथालय:
- अध्ययन कक्ष
- सिनेमा क्लब

विभाग द्वारा आयोजित विविध कार्य तथा कार्यक्रम:–

- **शोध सत्संग**

हिन्दी विभाग के उपक्रम शोध सत्संग के अंतर्गत डॉ. मनीषा नागपुरे अपने शोध विषय के संदर्भ में जानकारी देते हुए।

अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. प्रज्ञा बागड़े के शोध ग्रंथ का लाभ लेते प्रतिभागी

- **सृजन संवाद**

सृजन संवाद कार्यक्रम में प्रा॰ सुमेध नागदेवे द्वारा लघु नाटक का पाठ किए जाने के बाद चर्चा करते हुए प्राध्यापक एवं विदयार्थी गण।

बी.ए. तृतीय वर्ष छात्र कु. नीलेश सलामे तथा डॉ. सुमेध नागदेवे अपनी कविता तथा नाटक प्रस्तुत करते हुए।

- **परीक्षापयोगी कार्यशाला**

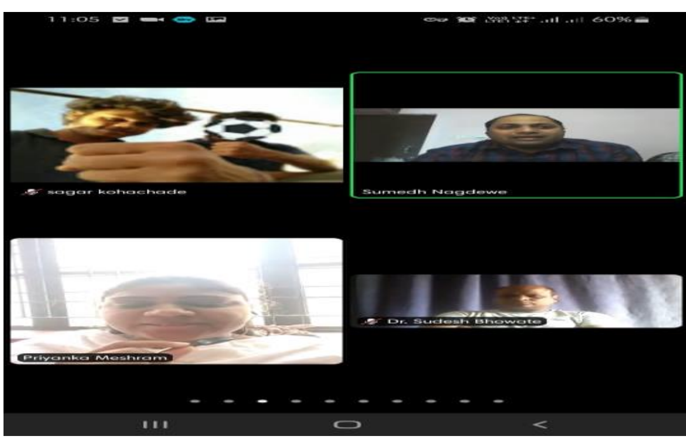

डॉ. सुमेध नागदेवे विद्यार्थियों को परीक्षा के संदर्भ में जानकारी देते हुए।

डॉ. सुदेश भोवते विद्यार्थियों को परीक्षा के तकनीकी पक्ष के संदर्भ

हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मिथिलेश अवस्थी छात्रों को परीक्षापयोगी मार्गदर्शन देते हुए।

- **काव्यगोष्ठी**

विद्यार्थियों की काव्य गोष्ठी में प्राचार्य डॉ. रमेश गान अपने वक्तव्य से सभी प्रतिभागी कवियों को प्रोत्साहित करते हुए।

ऑनलाइन काव्य गोष्ठी में छात्र कविता पाठ करते हुए।

- **योग प्राणायम प्रशिक्षण**

डॉ. मिथिलेश अवस्थी विद्यार्थियों को प्राणायाम का प्रशिक्षण देते हुए।

महाविद्यालय के छात्र योग साधना करते हुए।

- **अतिथि वक्तव्य**

'संत कबीर और रोजगार' पर डॉ. जयंत जाभुलकर वक्तव्य देते हुए।

डॉ. सपना तिवारी विद्यार्थियों को रघुवीर सहाय के काव्य की विशेषता बताते हुए।

- **सेमिनार, वेबीनार, संगोष्ठी**

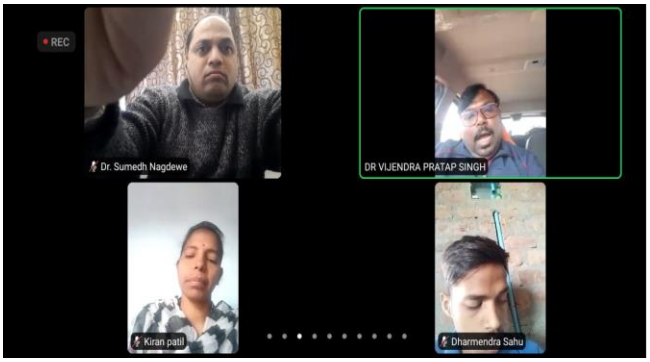

डॉ. विजेंद्र प्रताप सिंह विद्यार्थियों को विविध विमर्शो के संदर्भ में जानकारी देते हुए।

21 वी सदी में साहित्य के समक्ष चुनौतियॉं

- **कार्यशाला**

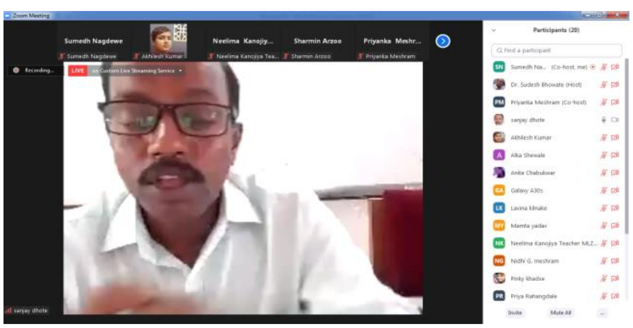

डॉ. संजय धोटे भाषा विज्ञान के समग्र अंगों की जानकारी देते हुए।

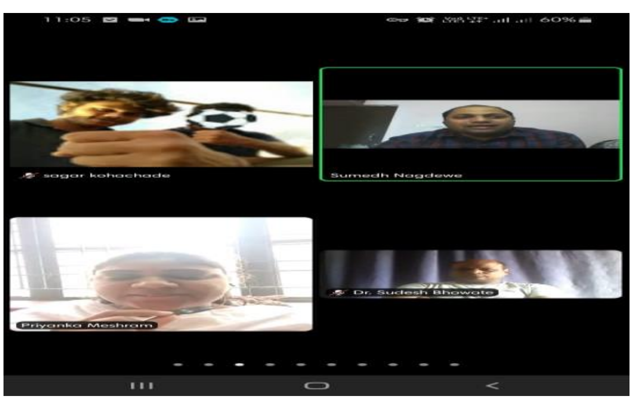

डॉ. सुदेश भोवते तथा डॉ. सुमेध नागदेवे विद्यार्थियों को परीक्षा के संदर्भ में मार्गादर्शन देते हुए।

- **चर्चासत्र**

डॉ. सुमेध नागदेवे विद्यार्थियों को नेतृत्व कौशल क्रियात्मक स्वरूप में समझाते हुए।

हिन्दी विभाग की ओर से 26 सितंबर 2018 को आयोजित ‘ग्रंथालय भेंट’ कार्यक्रम में संबोधित करते हुए ग्रंथपाल श्री सिद्धार्थ वाणी। साथ में विभागीय प्राध्यापक एवं विद्यार्थी गण।

- **करिअर संबंधी मार्गदर्शन**

इंडियन बैंक, तिरुपति के राजभाषा अधिकारी तथा पूर्व छात्र श्री विद्याधर वासनिक राजभाषा अधिकारी हेतु मार्गदर्शन करते हुए।

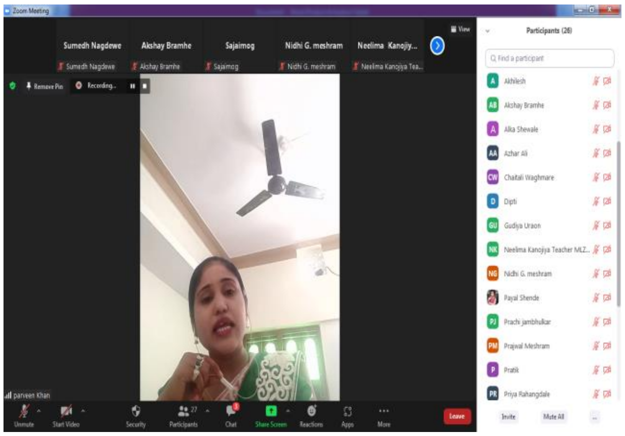

माजी विद्यार्थी प्रा. गुड्डी परवीन निसार अहमद खान नेट/सेट स्पर्धात्मक परीक्षा संबंधी मार्गदर्शन देते हुए।

इसके अलावा डिजिटल क्लासरूम अध्ययन, स्वानुशासित अध्ययन, समूह चर्चा आदि के माध्यम से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास के साथ करिअर के प्रति जागरूक बनाने का प्रयास विभाग द्वारा किया जाता है।

विभाग के समक्ष चुनौतियॉं:

1. व्याकरण का ज्ञान कराना।
2. मराठी एवं हिन्दी के प्रयोग वैषम्य को समझाना।
3. उच्चादण दोष को दूर करना।
4. अधिकांश विद्यार्थियों का रोजगाररत होना।
5. मराठी भाषी विद्यार्थियों की बहुलता।

विद्यार्थियों के लिए अवसर: